अनुक्रमांक.................. मुद्रित प्रश्नों की संख्या : 11

नाम............................

901 **801 (EG)**

2024

हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 70**

निर्देश-

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) प्रश्नपत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

(iii) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय पश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके एम० ओ० आर० शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।

(iv) खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित है।

(v) व्डण्त्ण् शीट पर उत्तर अंकित किये जाने के पश्चात उसे काटे नहीं तथा इरेजर (Eraser) एवं व्हाइटनर (Whiterner) आदि का प्रयोग न करें।

(vi) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

(खण्ड-अ)

1. 'बिखरे पन्ने' के लेखक हैं : 1

(A) यशपाल

(B) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

(C) जैनेन्द्र

(D) अज्ञेय

2. 'संन्यासी' कृति के लेखक हैं : 1

(A) इलाचन्द जोशी

(B) नगेन्द्र

(C) मोहन राकेश

(D) अज्ञेय

3. 'माटी की मूरतें' किस विधा की रचना है : 1

(A) रेखाचित्र

(B) नाटक

(C) एकांकी

(D) निबन्ध

4. 'डायरी विधा' के प्रसिद्ध लेखक हैं : 1

(A) घनश्याम दास बिड़ला

(B) धीरेन्द्र वर्मा

(C) लक्ष्मीकान्त वर्मा

(D) ये सभी

5. 'डॉ० नगेन्द्र' प्रसिद्ध हैं: 1

(A) आलोचक के रूप में

(B) कवि के रूप में

(C) नाटककार के रूप में

(D) कहानीकार के रूप में

6. 'भिखारीदास' किस काल के कवि हैं: 1

(A) वीरगाथा काल

(B) भक्तिकाल

(C) रीतिकाल

(D) आधुनिक काल

7. रीतिकाल की समय सीमा है : 1

(A) सं० 1700-1800 वि०

(B) सं० 1700-1900 वि०

(C) सं० 1800-1900 वि०

(D) सं० 1600-1800 वि०

8. 'आत्मजयी ' कृति के रचनाकार हैं: 1

(A) राजेश जोशी

(B) कुँवर नारायण

(C) मंगलेश डबराल

(D) श्रीकान्त वर्मा

9. 'पंचवटी' के रचयिता हैं: 1

(A) जयशंकर प्रसाद

(B) मैथिलीशरण गुप्त

(C) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(D) अज्ञेय

10. 'नयी कविता' के कवि हैं: 1

(A) मीराबाई

(B) मतिराम

(C) महादेवी वर्मा

(D) भवानी प्रसाद मिश्र

11. **'सोक विकल सब रोबहिं रानी।**

रूपु सीलु बलु तेजु बखानी।।' उपर्युक्त पंक्तियों में रस है : 1

(A) श्रृंगार रस

(B) वीर रस

(C) करुण रस

(D) शान्त रस

12. 'उपमा' अलंकार का उदाहरण : 1

(A) भूतल तवा-सा जल रहा

(B) काली घटा का घमण्ड घटा

(C) प्रीति-नदी में पाँव न बोरयौ

(D) इनमें से कोई नहीं

13. **'बदऊ गुरुपद कंज, कृपा सिंधु नर रूप हरि**

महामोह तम-पुंज, जासु बचन रविकर निकट।।' में छन्द है : 1

(A) दोहा

(B) सोरठा

(C) रोला

(D) चौपाई

14. अमर' में उपसर्ग है : 1

(A) मर

(B) अ

(C) अम

(D) र

15. 'ते' शब्द-रूप है 'तद्' शब्द के : 1

(A) पुल्लिग, प्रथमा बहुवचन का

(B) नपुंसकलिंग, प्रथमा, द्विवचन का

(C) स्त्रीलिंग, द्वितीया, द्विवचन का

(D) इन सभी का

16. 'नौ रसों का समूह' का समास होगा : 1

(A) नौरस

(B) नवरस

(C) नीरस

(D) नाविक

17. 'अमृत' का पर्यायवाची शब्द है : 1

(A) सुधा, अमिय

(B) अमी, सुरपेय

(C) पीयूष

(D) ये सभी

18. जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य और अन्य आश्रित उपवाक्य हों, उसे कहते हैं :1

(A) सरल वाक्य

(B) संयुक्त वाक्य

(C) मिश्र वाक्य

(D) कुटिल वाक्य

19. 'आओ, स्नान करते हैं।'- वाक्य का भाववाच्य में परिवर्तन है : 1

(A) आओ, स्नान करो।

(B) आओ, स्नान करेंगे।

(C) आओ, स्नान किया जाए।

(D) आओ, स्नान करना है।

20. 'हिन्दुस्तान वह सब कुछ है, जो आपने समझ रखा है, लेकिन वह इससे भी ज्यादा है!' - रेखांकित भाग का पद-परिचय है : 1

(A) अव्यय, समुच्चबोधक

(B) अव्यय, संबंधबोधक

(C) अव्यय, विस्मयादिबोधक

(D) अव्यय, निपात

खण्ड-'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

21. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जाएगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरंतर उन्नति की ओर उठाती जाएगी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए। 2

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी तो उसका क्या परिणाम होगा ? 2

अथवा

मगर ऐसा न आज तक हुआ है और न होगा। दूसरों को गिराने की कोशिश तो अपने को बढ़ाने की कोशिश नहीं कही जा सकती। एक बात और है कि संसार में कोई भी मनुष्य निन्दा से नहीं गिरता। उसके पतन का कारण सद्गुणों का ह्रास होता है। इसी प्रकार कोई भी मनुष्य दूसरों की निन्दा करने से अपनी उन्नति नहीं कर सकता। उन्नति तो उसकी तभी होगी, जब वह अपने चरित्र को निर्मल बनाए तथा अपने गुणों का विकास करे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए। 2

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) मनुष्य के पतन का क्या कारण है? 2

22. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

जगतु जनायौ जिहिं सकलु, सो हरि जान्यो नाँहिं।
ज्यों आँखिनु सबु देखिये, आँखि न देखी जाँहिं।।
जप, माला, छापा, तिलक, सरै न एकौ कामु।
मन-काँचै नाचे वृथा, साँचे राँचे रामु।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। 2

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) 'जगतु जनायौ जिहिं सकल', में अलंकार है। 2

अथवा

मेरे जीवन का आज मूक तेरी छाया से हो मिलाप,
तन तेरी साधकता छू ले, मन ले करुणा की थाह नाप!

उर में पावस दृग में विहान !

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। 2

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) कवि के 'उर' में क्या है? 2

23. निम्नलिखित संस्कृत गद्यावतरणों में से किसी एक अवतरण का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद कीजिए: 2+ 3=5

नागरिकः बहुकालं यावत् अचिन्तयत्, परं प्रहेलिकायाः उत्तर दातुं समर्थः न अभवत्, अतः ग्रामीणाम् अवदत्, अहम् अस्याः प्रहेलिकायाः उत्तरं न जानाभि । इदं श्रुत्वा ग्रामीणषः अकथयत्, यदि भवान् उत्तरं न जानाति, तर्हि ददातु दशरूप्यकाणि। अतः म्लानमुखेन नागरिकेण समयानुसारं दशरूप्यकाणि दत्तानि ।

अथवा

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी । इयं विमलसलिलतरङ्गायाः गङ्गायाः कूले स्थिता अस्ति। अस्याः चट्टानां वलयाकृतिः पङ्क्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजन्ते । अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति अस्याः घट्टानाञ्च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति।

24. निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए: 2+ 3=5

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्।।

अथवा

सार्थः प्रवसतो मित्रं भार्या मित्रं गृहे सतः।

आतुरस्य भिषङ् मित्रं दानं मित्रं मरिष्यतः ।।

25. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्न लिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए: 3

(क) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर द्वितीय सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ख) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा का सारांश लिखिए।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) (i) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्रांकन कीजिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के राजसूय यज्ञ सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(च) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के किसी स्त्री पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'राम-भरत' मिलन की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(छ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कथावस्तु सारांश में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग मेघनाथ-प्रतिज्ञा की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्रांकन कीजिए।

(झ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की किसी प्रमुख घटना की कथा संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

26. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए: 3+2=5

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ii) भगवतशरण उपाध्याय

(iii) जय प्रकाश भारती

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए: 3+2=5

(i) तुलसीदास

(ii) सुभद्रा कुमारी चौहान

(iii) महादेवी वर्मा

27. अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

28. अपने विद्यालय में कम्प्यूटर उपकरण लगवाने हेतु प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र लिखिए। 4

अथवा समय के सदुपयोग एवं परिश्रम पर बल देते हुए अपने छोटे भाई को एक प्रेरणादायक पत्र लिखिए।

29. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए: 1+1=1

(i) नीर-क्षीर विषये हंसस्य का विशेषता अस्ति?

(ii) वीर केन पूज्यते?

(iii) ग्रामीणान् कः उपाहसत्?

(iv) विद्या केन वर्धते?